सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 88 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 2 मई, 2025

मूल्य ₹ 3/-

जब मैं इस संसार में बुराई खोजने चला तो मुझे कोई बुरा न मिला। जब मैंने अपने मन में झांक कर देखा तो पाया कि मुझसे बुरा कोई नहीं है।

-कबीर दास

हैदराबाद का गुजरात से करो या... 7 | दक्षिणी राज्यों में सियासत पर... 3 | आज मजदूरी में भी कमीशनखोरी... 2

न्याय की गुहार लेकर 'सुप्रीम कोर्ट' की चौखट पर 4PM

यूट्यूब चैनल को शीर्ष अदालत से इंसाफ की उम्मीद

» अब देश की निगाहें सबसे बड़ी अदालत पर टिकी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। डिजिटल स्वतंत्रता और प्रेस की आज़ादी के मुद्दे पर देश की निगाहें अब सबसे बड़ी अदालत पर टिक गई हैं। देश के सबसे लोकप्रिय यूट्यूब चैनल 4पीएम ने सरकार द्वारा बैन किए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। स्वतंत्र पत्रकारिता का प्रतीक बन चुका 4पीएम यूट्यूब चैनल, जिसे हाल ही में सरकार की सिफारिश पर बिना किसी पूर्व सूचना या कारण बताए रातों-रात ब्लॉक कर दिया गया, अब इस अन्याय के विरुद्ध देश की सर्वोच्च अदालत में न्याय की गुहार लेकर पहुँचा है।

संपादक संजय शर्मा ने इस कार्रवाई को 'अघोषित आपातकाल' की संज्ञा देते हुए कहा कि 4पीएम सदैव जनता से जुड़े मुद्दों को उठाता रहा है, फिर चाहे वो सरकार की नीतियों की आलोचना हो, नौकरशाही की जवाबदेही हो, या जनहित में उठाई गई आवाजें। उनके अनुसार यह कार्रवाई केवल एक मीडिया संस्थान पर हमला नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक भारत की मूल भावना पर प्रश्नचिह्न है।

केस सीजेआई संजीव खन्ना के समक्ष सूचीबद्ध

कोर्ट ने इस याचिका को गंभीरता से लेते हुए इसे मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ के उत्तराधिकारी और वर्तमान सीजेआई संजीव खन्ना के समक्ष सूचीबद्ध किया है।

सीजेआई खन्ना के सामने सरकार को देना होगा जवाब

4PM सच दिखा रहा था वह डरने वाला चैनल नहीं : अफजाल अंसारी

गाजीपुर के सपा सासंद अफजाल अंसारी ने 4पीएम ट्यूब चैनल पर सरकार द्वारा बैन लगाने को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि चैनल सरकार से सवाल पूछ रहा था। 4पीएम डरने वाला नहीं है। सरकार ने उसको बैन करके संविधान को कुचल रही है। देश में अगर कोई बड़ी घटना घटेगी तो सवाल सरकार से पूछा जाएगा। चैनल सरकार का सच दिखा रहा था उसी की खीझ में सरकार ऐसे काम कर रही है। मै ऐसे कृत्य के लिए सरकार की निंदा करता हूं। इससे पहले लोक गायिका नेहा राठौर पर हुई एफआईआर पर भी उन्होंने सीधे बीजेपी सरकार पर सवाल उठाए।

लोकतंत्र के मूलभूत अधिकारों का घोर उल्लंघन : संजय शर्मा

4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए इस डिजिटल सेंसरशिप को लोकतंत्र के मूलभूत अधिकारों का घोर उल्लंघन बताया है। याचिका में उल्लेख किया गया है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के अंतर्गत हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है और यह कार्रवाई स्पष्ट रूप से उस अधिकार का दमन करती है।

4पीएम को उम्मीद न्याय मिलेगा

अब यह मामला उस सुप्रीम कोर्ट के सामने है, जिसने अतीत में भी कई बार सरकार की मनमानी पर अंकुश लगाते हुए लोकतंत्र की रक्षा की है। 4पीएम को न्याय मिलेगा यह उम्मीद सिर्फ एक संस्थान की नहीं, बल्कि उन तमाम दर्शकों की है जो सच्ची पत्रकारिता के लिए हमेशा खड़े रहे हैं।

पाकिस्तान की जंग 4पीएम चैनल से लड़ रहे : संजय सिंह

आप सांसद संजय सिंह ने 4पीएम पर बैन को सरकार की तानाशही बताया है। उन्होंने कहा है कि मोदी को लड़ना था पाकिस्तान से लड़ रहे हैं देश में 4पीएम यूट्यूब चैनल चलाने वाले से। आप नेता ने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि मोदी जी इतना मत घबराओ लोकतंत्र में आलोचना सुनना सीखो।

पहले भी पहुंच चुके हैं अदालतों में कई मामले

इससे पहले भी कई इस तरह मामले अदालतों में पहुंच चुके हैं। इन सुनवाई के बाद कई मीडिया संस्थानों को राहत भी मिल चुकी है। वहीं कानूनी विशेषज्ञों और प्रेस स्वतंत्रता के पक्षधरों का तर्क है कि घटनाओं का यह क्रम न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि असंवैधानिक भी है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने आईटी नियम 2021 के नियम 9(1) और (3) पर रोक लगा दी है, जो डिजिटल समाचार प्रकाशकों के लिए आचार संहिता को नियंत्रित करता है, जिससे ऐसे मामलों में आईडीसी के अधिकार सीमित हो जाते हैं।

4पीएम के बैन से स्तब्ध हूं और आक्रोशित हूं : इमरान

गुजरात कांग्रेस से विधायक इमरान खेंदवाला कहते हैं कि सोशल मीडिया के जरिये सही जानकारियां मिलती है। जो खबरें बड़े चैनल नहीं दिखाते उन्हें यूटयूब चैनल प्रमुखता से दिखाते हैं। मैं 4पीएम के बैन से स्तब्ध हूं और आक्रोशित। सरकार को तत्काल इस बैन को हटाना चाहिए और जनता की मुख्य आवाज बन चुके इस यूटयूब चैनल को पुनःप्रसारित करना चाहिए। मैं इस अन्याय के खिलाफ हूं।

ब्रिटिश सरकार की तरह काम कर रही मोदी सरकार : पटेल

गुजरात कांग्रेस के वरिष्ट नेता निकुल पटेल कहते हैं कि लोकशाही में मीडिया को अपनी आवाज उठाने का पूरा सवैधानिक दर्जा प्राप्त है। फिर भी मोदी सरकार उसकी आवाज को बंद करना चाहती है जैसा ब्रिटिश शासन में होता था। ब्रिटिश सरकार में नेशनल हेरल्ड को बंद कर दिया गया था। आज 4पीएम को बंद किया गया है। दोनो ही समय मंशा एक है लोग अलग-अलग। यह गलत है और सरकार को ऐसा नहीं करना चाहिए।

आज मजदूरी में भी कमीशनखोरी हो गई है : अखिलेश यादव

बोले- देश का डाटा निकले तो 99 फीसदी मजदूर पीडीए से होंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने जाति जनगणना कराने का जो फैसला लिया है यह खुशी की बात है। श्रम दिवस पर पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार में बहुत चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा मजदूरी में भी कमीशनखोरी हो गई। देश का डाटा निकलें तो 99 फीसदी मजदूर पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के होंगे।

उन्होंने कहा केंद्र सरकार सामाजिक न्याय की दिशा में कुछ आगे बढ़ी है। ये तो शुरुआत है। यहां से सामाजिक न्याय की शुरुआत होती उन्होंने कहा कि सरकार का यह निर्णय लेना इंडिया गठबंधन के एजेंडे की जीत है। देश संविधान से चलता है मन विधान से नहीं। आज सरकार जातीय जनगणना के लिए तैयार हो गई है। अब निजी संस्थाओं में नौकरी पर बहस चलेगी।

श्रमिकों को बहुत बहुत बधाई। श्रमिक कई चुनौतियों से जूझ रहे हैं। अलग-अलग तरह के बाजार में श्रमिक हैं। भाजपा राज में सभी की चुनौतियां एक जैसी हैं। हमें आपको मशीन समझा जाता है। उत्पीड़न हो रहा है। आउटसोर्स किया जा रहा है। इस मौके पर अखिलेश यादव ने सपा में शामिल होने वाले नेताओं का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि आज के दिन शंख बजा है तो परिवर्तन होना तय है। पीडीए हेल्पलाइन के बाद पीडीए डेटा सेंटर बना देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने सरकारी वेबसाइट से आकंड़े लिए और ग्राफ पेश किया तो सरकार को बुखार आ गया। खुद सामने न आकर अपने अधिकारी को आगे किया जो रिटायर होने वाले हैं। बहुत से जिले हैं जहां हमने डाटा जुटा लिया है जो बहुत शॉकिंग हैं। बदरुद्दीन खान सपा में शामिल हो गए।

हमारे कार्यकर्ता मान गए भाजपा कब समझाएगी

अखिलेश यादव ने सपा में शामिल होने वाले लाल चंद गौतम के बारे में कहा कि गौतम वो साथी हैं जिनकी वजह से भाजपा अपने एसी कमरों से निकल कर सड़कों पर आ गई। भविष्य में इस तरह का कोई काम न करें जिससे किसी को ठेस पहुंचे। हमने समझा दिया है अपने कार्यकर्ताओं को लेकिन क्या भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को समझाएगी कि महापुरुषों का सम्मान करना सीखें।

राजनीतिक की तुलना किसी महापुरुष से न करें : अरविंद

पूर्व सांसद अरविंद ने कहा कि हम अति संवेदनशील अपील करते हैं कि भावनाओं में बहकर किसी राजनीतिक की तुलना किसी महापुरुष से न करें। वो दिव्य व्यक्तित्व हैं जिनकी किसी से भी तुलना नहीं की जा सकती है।

अखिलेश-राहुल को गोली खाकर सोना पड़ रहा है : केशव मौर्य

सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य की जयंती समारोह में आए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जातीय जनगणना का ऐतिहासिक फैसला लिया है। सपा, कांग्रेस को लग रहा था कि भाजपा जातीय जनगणना नहीं कराएगी, लेकिन हमारी पार्टी सही समय का इंतजार कर रही थी। यह फैसला आने के बाद राहुल-अखिलेश की नींद उड़ गई है। रात में नींद की गोली खाकर सोना पड़ा। जातीय जनगणना होने के बाद पिछड़े और दलित समाज में सभी

वर्गों के विकास के लिए योजनाएं तैयार होंगी और इसका समुचित लाभ जनता को मिलेगा। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि श्रमिक दिवस पर आज ही के दिन मोदी जी ने 2017 में लाल बत्ती का कल्चर खत्म कर दिया था। जातीय जनगणना के लिए प्रधानमंत्री जी का अभिनंदन करता हूं। अब सामाजिक न्याय सही मायनों में होगा। अखिलेश यादव फर्जी पीडीए परिवार डेवलपमेंट एजेंसी चलाते हैं। गुंडों, अपराधियों, माफियाओं, दंगाइयों का संरक्षण का कार्य करते हैं। कल के जाति जनगणना के फैसले से उनके पीडीए की हवा निकल गई। 2012 से 2017 तक वह मुख्यमंत्री कार्यकाल में एक ही जाति के मुख्यमंत्री बनकर रह गए।

जाति जनगणना का राजनीतिकरण किया जा रहा है : मायावती

» बसपा प्रमुख ने भाजपा-कांग्रेस पर निशाना साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगामी जनगणना में जाति आधारित गणना को शामिल करने के केंद्र के हालिया फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को भाजपा और कांग्रेस पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया और दावा किया कि उनका बहुजन विरोधी चरित्र ओबीसी समुदायों को उनके वाजिब अधिकारों से वंचित करता आया है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''लम्बे समय तक ना-ना करने के बाद अब केन्द्र ने राष्ट्रीय जनगणना के साथ जाति गणना भी कराने के निर्णय लिया। भाजपा, कांग्रेस आदि द्वारा इसका श्रेय लेकर खुद को ओबीसी हितैषी सिद्ध करने की होड़ मची है जबकि इनके बहुजन-विरोधी चरित्र के कारण यह समाज अभी भी पिछड़ा, शोषित और वंचित है। वैसे भी कांग्रेस एवं भाजपा आदि की नीयत व नीति बहुजन समाज के प्रति अगर पाक-साफ़ होती तो ओबीसी समाज देश के विकास में उचित भागीदार बन गया होता, जिससे इनके मसीहा बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर का 'आत्म-सम्मान व स्वाभिमान' का मिशन सफल होता हुआ दिखता। बसपा नेता ने कहा, बाबा साहेब एवं बसपा के अनवरत संघर्ष के कारण ओबीसी समाज आज जब काफी हद तक जागरुक है, तो दलितों की तरह ओबीसी वोटों के लिए लालायित इन पार्टियों के लिए इनकी हितैषी दिखने का स्वार्थ व मजबूरी है। स्पष्ट है कि ओबीसी का हित बसपा में ही निहित है, अन्यत्र नहीं। मायावती ने कहा, अत: 'वोट हमारा राज तुम्हारा-नहीं चलेगा' के मानवतावादी संघर्ष को सही व सार्थक बनाकर अपने पैरों पर खड़े होने का समय करीब है, जिसके लिए कोताही व लापरवाही घातक होगी।

कश्मीरियों और मुसलमानों के खिलाफ गलत कहना सही नहीं : हिमांशी

» शहीद लेफ्टिनेंट नरवाल की पत्नी बोलीं - आतंकवादियों को मिलनी चाहिए सजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

करनाल। पहलगाम आतंकी हमले का शिकार हुए नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल का गुरुवार को जन्मदिन था। इस मौके पर उनकी पत्नी हिमांशी ने कहा वह शांति चाहती हैं। कश्मीरी लोगों और मुसलमानों के बारे में जो कुछ गलत कहा जा रहा है, वह ठीक नहीं है।

उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी पति की हत्या को लेकर न्याय चाहिए और इस हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को सजा मिलनी चाहिए। लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के जन्म दिन पर गुरुवार को विभिन्न संस्थाओं की ओर से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस मौके पर विधायक जगमोहन आनंद और मेयर रेणू बाला गुप्ता भी मौजूद रहीं। इसके बाद हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण और कैबिनेट मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा भी पहुंचे और परिजनों का सांत्वना दी। इस मौके पर ब्लड डोनेशन कैंप में पहुंची विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी ने अपने पति विनय नरवाल को शहीद का दर्जा दिए जाने की भी मांग की। बता दें कि लेफ्टिनेंट विनय नरवाल अगर जिंदा होते वह आज 27 साल के हो जाते।

नदियों की पवित्रता से छेड़छाड़ न करें : उमा

अपनी ही सरकार पर बरसीं पूर्व सीएम, नर्मदा में क्रूज चलाने का किया विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी पर प्रस्तावित क्रूज संचालन को लेकर सियासी पारा भी बढ़ता जा रहा है। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने अपनी ही सरकार को घेरते हुए कहा की इस परियोजना का खुला विरोध करते हुए इसे नर्मदा जी की पवित्रता के विरुद्ध बताया है।

उन्होंने कहा कि नर्मदा केवल एक नदी नहीं, बल्कि श्रद्धा और आध्यात्मिक आस्था का केंद्र है, जिसकी धारा में किसी प्रकार की भौतिक गतिविधि, विशेषकर मनोरंजन या पर्यटन के नाम पर छेड़छाड़ स्वीकार्य नहीं है। उमा भारती ने स्पष्ट किया है कि वे इस विषय पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से चर्चा करेंगी ताकि नर्मदा की धार्मिक, सांस्कृतिक और पारंपरिक पहचान को अक्षुण्ण रखा जा सके। इससे पहले भी वे शराबबंदी जैसे मुद्दों पर अपनी ही सरकार के खिलाफ मुखर रही हैं। उमा भारती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सिलसिलेवार पोस्ट करते हुए कहा कि महेश्वर से बड़वानी तक क्रूज संचालन की जो योजना सामने आई है, वह नर्मदा की धार्मिक गरिमा को ठेस पहुंचा सकती है। उन्होंने लिखा कि तीन साल पहले भी ऐसा प्रस्ताव आया था, जिसे तत्कालीन विरोध के चलते रद्द कर दिया गया था। इस बार फिर टेंडर प्रक्रिया तक शुरू हो गई है।

सार्वजनिक सूचना

मैं रमेश प्रसाद पुत्र स्व. बंसू, निवासी-म.नं.55 ए शिव विहार कॉलोनी सेक्टर 5 विकास नगर लखनऊ, ने अपने पुत्र पंकज कुमार को उसके गलत चाल चलन एवं व्यवहार के कारण हमेशा के लिये अपनी सम्पूर्ण चल व अचल सम्पतियों से बेदखल कर दिया है। मेरा उपरोक्त पुत्र पंकज कुमार से अब कोई संबंध व नाता नहीं रहा है तथा मेरी किसी भी चल व अचल सम्पत्तियों में किसी प्रकार का पंकज कुमार का कोई हक अधिकार नहीं होगा। जो भी व्यक्ति उससे किसी भी प्रकार का लेन देन करेगा वह व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा - **रमेश प्रसाद**

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

ये मणिपुर, कश्मीर या कुंभ मेला नहीं, तमिलनाडु है : एम के स्टालिन

» सीएम बोले- तमिलनाडु एक धर्मनिरपेक्ष और शांतिपूर्ण राज्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कानून और व्यवस्था पर अपनी सरकार के रिकॉर्ड का दृढ़ता से बचाव करते हुए घोषणा की कि राज्य में शांति द्रविड़ सरकार के मॉडल के तहत मजबूत पुलिसिंग का परिणाम है।

सदन में बोलते हुए स्टालिन ने कहा कि उनके नेतृत्व में काम करने वाले पुलिस बल के लगातार प्रयासों के कारण तमिलनाडु एक धर्मनिरपेक्ष और शांतिपूर्ण राज्य बना हुआ है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में शांति है, क्योंकि पुलिस विभाग मेरे अधीन है। जब राज्य में शांति होगी, तभी काम आगे बढ़ेगा, उद्योग फलेंगे-फूलेंगे, शिक्षा बढ़ेगी, महिलाएं और बच्चे आगे बढ़ेंगे, खेल विकसित होंगे, आयात-निर्यात बढ़ेगा, पर्यटन फलेगा-फूलेगा। तमिलनाडु में शांति का कारण मेरा पुलिस विभाग है। मैं, आप और तमिलनाडु के लोग इस उपलब्धि के लिए पुलिस बल के सभी लोगों के हमेशा आभारी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सार्वजनिक सौहार्द को बिगाड़ने के छिटपुट प्रयासों के बावजूद, राज्य के लोगों ने इस तरह के उकसावे का सफलतापूर्वक विरोध किया है।

दक्षिणी राज्यों में सियासत पर जारी जोर

केरल व आंध्र में सत्तारूढ़ दल पर विपक्षी वार

» नायडू पर कांग्रेस नेता शर्मिला का हमला

» केसीआर पर रेड्डी ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। जबसे आंध्रप्रदेश में एनडीए की सरकार आई है। सीएम चंद्र बाबू नायडू और कांग्रेस के बीच वार-पलटवार तेज हो गया है। कांग्रेस नेता शर्मिला ने कहा कि उन्हें विजयवाड़ा स्थित उनके आवास में उन्हे नजरबंद रखा गया है।

शर्मिला ने मुख्यमंत्री नायडू से कहा कि वह आंध्र प्रदेश के लोगों को बताएं कि उन्हें किस वजह से नजरबंद किया गया है। वहीं वहां कभी तिरुपति के प्रसाद में मिलावट पर बवाल होता है तो कभी वक्फ को लेकर नायडू के शांत रहने को लेकर कोहराम मचता है। वहीं तेंलगाना के सीएम रेवंत रेड्डी अलग ही हमलावर की मुद्रा में रहते हैं। वह आजकलकेसीआर पर सवाल उठा रहे हैं।

भारत को नुकसान पहुंचाने वालों पर होगी सख्ती : नायडू

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि भारत को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश का कड़ा और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। उनकी यह टिप्पणी जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पिछले हफ्ते की शुरूआत में हुए आतंकी हमले के जवाब में आई है, जिसमें आंध्र प्रदेश के दो व्यक्ति सहित 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। नायडू ने एक निजी कॉलेज के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, ''अगर कोई भारत में हस्तक्षेप करता है, तो उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिये जाएंगे। वे कुछ नहीं कर सकते। भले ही वह कोई आतंकवादी संगठन हो, वे इस देश को हिला नहीं सकते। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पहलगाम हमले जैसे बर्बर कृत्य भारत की ताकत के सामने सफल नहीं होंगे। नायडू ने भारतीयों के साहस को रेखांकित करते हुए, सभी से ऐसी चुनौतियों के मद्देनजर एकजुट होने का आग्रह किया और कहा कि राष्ट्र की रक्षा करने की शक्ति इसके लोगों में निहित है। आतंकवाद का मुकाबला करने में केंद्र सरकार के प्रयासों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करने के लिए मुख्यमंत्री ने 25 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की थी।

नजरबंदी पर कांग्रेस अध्यक्ष शर्मिला ने नायडू को घेरा

आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) की अध्यक्ष वाई. एस. शर्मिला ने कहा कि राज्य सरकार ने उन्हें नजरबंद कर दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू से इसका कारण जानना चाहा। कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्हें विजयवाड़ा स्थित उनके आवास में ही नजरबंद रखा गया है। शर्मिला ने मुख्यमंत्री नायडू से कहा कि वह आंध्र प्रदेश के लोगों को बताएं कि उन्हें किस वजह से नजरबंद किया गया है। शर्मिला ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, मुझे विजयवाड़ा में मेरे आवास पर नजरबंद क्यों किया गया है? किस कारण से मुझे नजरबंद किया गया है? कृपया आंध्र प्रदेश के लोगों को बताएं।'' शर्मिला ने सवाल किया कि क्या अपने कार्यस्थल यानी कांग्रेस कार्यालय में जाना अपराध है।

राजीव चंद्रशेखर ने केरल सरकार पर साधा निशाना

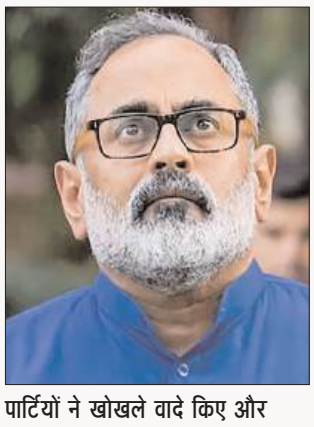

केरल भाजपा अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने मुनंबम वक्फ भूमि विवाद से निपटने के तरीके को लेकर राज्य की सत्तारूढ़ वामपंथी सरकार पर तीखा हमला किया। चंद्रशेखर ने कहा कि जबकि मुनंबम के निवासी अपनी जमीन को वक्फ बोर्ड द्वारा कब्जाए जाने से बचाने के लिए सालों से संघर्ष कर रहे थे, सीपीआई (एम) और कांग्रेस केवल मूकदर्शक बनी रहीं। उन्होंने कुछ नहीं किया। चंद्रशेखर और केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू मुनंबम में विवाद से प्रभावित परिवारों से रिजिजू के दौरे से पहले मीडिया को संबोधित करने के लिए कोच्चि में थे। 14 अप्रैल को मनाई गई अंबेडकर जयंती का जिक्र करते हुए चंद्रशेखर ने कहा कि संवैधानिक अधिकारों के बारे में बात करने के लिए यह सही समय उन्होंने कहा कि संविधान सभी नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धर्म का पालन करने का अधिकार और संपत्ति का अधिकार देता है। उन्होंने सीपीआई(एम) और कांग्रेस दोनों की आलोचना की और उन पर उदासीनता का आरोप लगाया। किसी भी पार्टी ने इस मुद्दे को हल करने या प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। जब निवासियों ने विरोध किया, तो दोनों पार्टियों ने खोखले वादे किए और सबसे छोटा समाधान भी पेश करने में विफल रहीं। चंद्रशेखर ने आगे कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक पर बहस के दौरान, सीपीआई (एम) और कांग्रेस दोनों के सांसद मुनंबम मुद्दे पर कोई समाधान प्रस्तावित करने में विफल रहे। उन्होंने कहा कि वक्फ विधेयक पारित हो चुका है और अब यह देश का कानून है। उन्होंने आगे कहा कि कल विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने दावा किया कि वक्फ न्यायाधिकरण के आदेश पर रोक लगाने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना सीपीआई(एम) की साजिश थी; मुनंबम निवासियों को राहत देने से रोकने का एक कदम। उन्होंने इसे बदले की राजनीति बताया। मैं इस बयान का स्वागत करता हूँ।

केरल में राज्यपाल पर भड़ेक सीएम विजयन

केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर की उच्चतम न्यायालय के हालिया फैसले के संबंध में की गई टिप्पणी को ''अस्वीकार्य'' करार दिया, हालांकि यह भी कहा कि वह (राज्यपाल) अपने पूर्ववर्ती की तरह नहीं हैं। उच्चतम न्यायालय ने कुछ दिन पहले अपने एक ऐतिहासिक फैसले में 10 विधेयकों को राष्ट्रपति के विचारार्थ रोककर रखने के लिए तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि को कड़ी फटकार लगाई तथा राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर राज्यपाल

की कार्रवाई के लिए एक समय सीमा तय की। विजयन ने यहां आयोजित कहा कि आमतौर पर राज्यपाल को उच्चतम न्यायालय के फैसले के विपरीत रुख नहीं अपनाना चाहिए, लेकिन इस मामले में ऐसा करने के पीछे ''राजनीतिक कारण'' है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''यहां यही हुआ है, इसलिए ऐसा रुख अस्वीकार्य है।''आर्लेकर ने कथित तौर पर कहा है कि न्यायालय द्वारा विधेयकों के संबंध में समयसीमा निर्धारित करना न्यायपालिका द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करना है। विजयन ने कहा, ''हालांकि, नये राज्यपाल अपने पूर्ववर्ती की तरह नहीं हैं। वह सरकार के साथ अच्छे तरीके से सहयोग कर रहे हैं।

भाजपा व यूडीएफ-एलडीएफ में नाम को लेकर तकरार

पलक्कड़ नगर निगम की परिषद की बैठक अराजकता में बदल गई, जब कांग्रेस और वामपंथी दलों के सदस्यों ने विकलांगों के लिए प्रस्तावित कौशल विकास केंद्र का नाम आरएसएस के संस्थापक डॉ. केबी हेडगेवार के नाम पर रखने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। इस गरमागरम सत्र में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) और लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के पार्षदों की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सदस्यों के साथ झड़प हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्थिति हाथापाई तक पहुंच गई, जिसमें कुछ सदस्यों को एक-दूसरे को चप्पलों से पीटते और परिषद हॉल के अंदर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाते देखा गया। हंगामे के बावजूद भाजपा प्रस्ताव पारित कराने में सफल रही, जिससे विपक्षी दलों का विरोध और बढ़ गया। पलक्कड़ नगरपालिका के उपाध्यक्ष और भाजपा नेता कृष्ण दास ने कहा कि पलक्कड़ नगरपालिका दिव्यांगों के लिए एक कौशल विकास केंद्र शुरू करना चाहती थी, उस समारोह को भी कांग्रेस और सीपीएम ने बाधित किया। आज, यहाँ परिषद की बैठक थी, और अध्यक्ष ने उन्हें चर्चा के लिए आमंत्रित किया था। लेकिन उन्होंने न केवल इस मामले पर चर्चा करने से इनकार कर दिया, बल्कि यूडीएफ और एलडीएफ ने पूरी कार्यवाही को बाधित कर दिया, उन्होंने हंगामा किया। भाजपा नेता ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि उन्होंने अध्यक्ष के साथ हाथापाई करने की कोशिश की और उन्होंने सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। पलक्कड़ नगरपालिका में पूरी तरह अराजकता थी और इसके लिए यूडीएफ और एलडीएफ जिम्मेदार हैं।

केसीआर पर भड़के सीएम रेवंत रेड्डी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर निशाना साधते हुएसवाल किया कि सरकार से वेतन और अन्य सुविधाएं प्राप्त करने के बावजूद वह विपक्ष के नेता की जिम्मेदारियां क्यों नहीं निभा रहे हैं। रेड्डी ने एक कार्यक्र म में केसीआर से सवाल किया कि पिछले 16 महीने में उन्होंने विधानसभा सत्र में भाग क्यों नहीं लिया या अपने घर से बाहर क्यों नहीं निकले। उन्होंने कहा, आपने (केसीआर) विपक्ष के नेता का दर्जा क्यों ले लिया? आपको 65 लाख रुपये वेतन, एक बंगला, एक कार और अन्य सुविधाएं मिली हैं। मुख्य विपक्षी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री के तौर पर आपको पुलिस सुरक्षा मुहैया कराई गई है। तेलंगाना के चार करोड़ लोग पूछ रहे हैं कि आप सभी सुविधाओं का आनंद लेने के बावजूद विपक्ष के नेता की भूमिका निभाए

बिना अपने फार्महाउस में क्यों सो रहे हैं। रेड्डी ने कहा, क्या केसीआर पर लोगों को जवाब देने की जिम्मेदारी नहीं है? रेड्डी ने केसीआर पर यह हमला तीन दिन पहले बीआरएस की एक जनसभा में की गई उनकी तीखी आलोचना के बाद बोला है। जनसभा में केसीआर ने दावा किया था कि कांग्रेस सरकार पिछले साल दिसंबर में सत्ता संभालने के बाद से सभी मोर्चों पर विफल रही है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

मानव श्रम की जगह पूरी तरह नहीं ले सकता एआई

पूरे देश ने 1 मई को मजदूर दिवस मनाया। अब देश में मजदूरों के हालात तो किसी से छुपे नहीं हैं। भारत में काम के अनुसार पैसा ठीक नहीं मिलता ये सत्य है। पर आज के परिपेक्ष्य में जब बेरोजगारी का स्तर बहुत ऊंचा पहुंच गया है ऐसे में अब एआई जैसे पद्धति मानव श्रम को प्रभावित करेगी। आने वाले समय में यह मनुष्यों के काम पर कब्जा भी कर सकती है ऐसे में अब मांग उठ रही है सरकारें इस पर ठोस फैसला ले ताकि एआई से मानव रोजगार पर ज्यादा असर न हो। एआइ मानव श्रम की जगह पूरी तरह नहीं ले सकता, बल्कि यह एक सहायक उपकरण की तरह काम करेगा। एआई दोहराए जाने वाले, विश्लेषणात्मक या तेज गति वाले कार्यों में कुशल है, जबकि मानव भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नैतिक निर्णय और रचनात्मकता में श्रेष्ठ है। आने वाले समय में दोनों साथ-साथ चलेंगे- मानव दिशा देगा और एआई गति। यह सहयोग उत्पादकता बढ़ाएगा, लेकिन नई योग्यता सीखने की आवश्यकता भी बढ़ेगी।

एआई मानव श्रम की जगह नहीं लेगा बल्कि कार्यों को करने के तरीके को बेहतर, दक्ष और निपुण बनाएगा जिससे कार्यों की उत्पादक में वृद्धि होगी। ऐसा देखा गया है कि जब कोई नई तकनीकी आती है तो वो अपने साथ रोजगार सृजन के अवसर लाती है। वैसे ही एआई को विकसित करना, प्रोग्रामिंग करना किसी प्रकार की त्रुटि होने पर मानव द्वारा ही उसको ठीक किया जाएगा तथा उसमें नए फीचर ईजाद करना इत्यादि। एआइ और मानव मिलकर विकास की नई परिकल्पना को साकार करेंगे। एआई उन कार्यों को तेज़ी से कर सकता है जो दोहराव वाले, डेटा-आधारित और पूर्व-निर्धारित हों। जैसे बैंकिंग, ट्रांसलेशन, ग्राहक सेवा या विनिर्माण प्रक्रिया आदि। इन क्षेत्रों में मानव श्रमिकों की भूमिका सीमित हो सकती है। वहीं दूसरी तरफ़ एआई के प्रवेश से कुछ नई भूमिकाएँ भी जन्म लेंगी; जैसे डेटा एनालिस्ट, एआई नैतिक सलाहकार, प्रॉम्प्ट इंजीनियर, रोबोटिक्स इंजीनियर, बिग डेटा एनालिस्ट आदि। साथ ही रचनात्मकता, संवेदनशीलता, नैतिक विवेक और सामाजिक संदर्भ की समझ में एआइ की सीमाएँ हैं। एक शिक्षक, लेखक, चिकित्सक या न्यायाधीश के निर्णय सिर्फ तथ्य नहीं बल्कि अनुभव और सहानुभूति पर भी आधारित होते हैं; एआई यहाँ सहायक हो सकता है, लेकिन विकल्प नहीं बन सकता है। इसलिए भविष्य का रास्ता 'एआई बनाम मानव श्रम' नहीं, बल्कि 'एआई के साथ मानव श्रम' का है।एआई मानव प्रभावशीलता को बढ़ायेगा लेकिन मानव स्वायत्तता, एजेंसी क्षमताओं को खतरे मे डालेगा, कंप्यूटर जटिल निर्णय लेने, तर्क और सीखने, परिष्कृत विश्लेषण और पैटर्न पहचान, दृश्य तीक्ष्णता, भाषण पहचान और भाषा अनुवाद जैसे कार्यों पर मानव बुद्धि और क्षमताओं से मेल खा सकते हैं या मानव से बहुत आगे निकल सकते हैं। दोनों का साथ साथ चलना मुश्किल सा लगता है।

आने वाले समय में यह मनुष्यों के काम पर कब्जा भी कर सकती है ऐसे में अब मांग उठ रही है सरकारें इस पर ठोस फैसला ले ताकि एआई से मानव रोजगार पर ज्यादा असर न हो। एआइ मानव श्रम की जगह पूरी तरह नहीं ले सकता, बल्कि यह एक सहायक उपकरण की तरह काम करेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मेहनत के मूल्य और गरिमा के संघर्ष का प्रतीक

इंद्रजीत सिंह

हर साल दुनियाभर में मई दिवस मनाया जाता है। पिछले 140 साल से 1 मई को श्रमिक वर्ग सड़कों पर उतर कर जो संदेश देता है वह कोई रस्म अदायगी नहीं होती। अलबत्ता मेहनतकशों को मई दिवस पर यह अहसास करवाते देखा जा सकता है कि वे भी बतौर नागरिक उतने ही इस दुनिया के हकदार हैं जितना और कोई। बदकिस्मती से इस साल मई दिवस भारत के श्रमिकों को आतंकवाद के खात्मे के संकल्प के साथ पहलगाम की काली छाया में मनाना पड़ेगा। विगत में रोजी-रोटी के लिए जाने वाले प्रवासी मजदूर भी कश्मीर में आतंकवाद का शिकार हुए। आशा करें, शीघ्र स्थिति सामान्य हो, जिंदगी पटरी पर लौटे। महंगाई, बेरोज़गारी और अन्य समस्याओं से श्रमिक और वेतनभोगी वर्ग आज बदहाल है। विश्व पूंजीवाद का अभूतपूर्व संकट महाशक्तियों के बीच हो रही खींचतान के रूप में सामने है। इस उठापटक के सबसे ज्यादा भुगतभोगी मजदूर, किसान और छोटे कर्मचारी बन रहे हैं।

जिन विकसित देशों में पहले औद्योगिकरण हुआ उसके परिणामस्वरूप पहली बार जागरूक वर्ग के तौर पर मजदूर वर्ग अस्तित्व में आया। अमेरिका के शहर शिकागो में 1886 में हजारों मजदूरों ने अधिकतम 8 घंटे के काम की मांग को उठाते हुए एक स्थान पर एकत्रित होकर अपनी आवाज़ बुलंद की थी। भारत में पहली बार मई दिवस का आयोजन 1925 में तत्कालीन मद्रास में सिंगारावेलू चेट्टियार के नेतृत्व में आयोजित किया गया था जिसका संदेश ब्रिटिश साम्राज्य और पूंजीवाद से मुक्ति पाना था। काफी लोग मानते आए हैं कि 1 मई के विरोध प्रदर्शन पर की गई पुलिस फायरिंग में 8 मजदूर शहीद हुए जिन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु यह दिवस मनाया जाता है। परंतु वास्तव में हुआ यह था कि 1 मई की सभा के दो दिन बाद 3 मई को उसी स्थान पर एक फैक्टरी में की गई तालाबंदी के खिलाफ हड़ताली मजदूरों की शांतिपूर्वक जारी सभा के अंत में षड्यंत्र के तहत किसी एजेंट ने पुलिस पर फायरिंग की जिसमें एक श्रमिक शहीद हो गया।

मजदूरों का नेतृत्व करने वाले 8 नेताओं पर मुकदमे दर्ज कर दिये गए और आनन-फानन में 6 श्रमिक नेताओं को फांसी दे दी गई। एक व्यक्ति को उम्रकैद की सजा दी और एक अन्य जेल में मृत पाया गया। मनघड़ंत अभियोग के कारण यह मुकदमा ऐतिहासिक माना जाता है। दरअसल, मुकदमे में नामजद किए गए 8 में से 6 श्रमिक नेता उस

दिन घटनास्थल पर उपस्थित ही नहीं थे। जिस श्रमिक नेता की फांसी की सजा को उम्रकैद में तब्दील किया गया उसे 6 साल बाद इलीनोई के गवर्नर ने यह कह कर बरी कर दिया कि दंडित किए गए किसी भी अभियुक्त के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं थे। पूंजी और श्रम के बीच हितों के बुनियादी अंतर्विरोध के चलते अपने श्रम का उचित मूल्य मांगने वाले श्रमिकों में दहशत फ़ैलाने के उद्देश्य से जो हिंसक और दमनकारी हथकंडे अपनाये जाते हैं वे आज भी असामान्य बात नहीं। आधुनिक जीवन सामाजिक उत्पादन से चलता है। उत्पादन करने वाले बुनियादी वर्ग मजदूर, किसान व अन्य वे लोग हैं जो अपनी मेहनत करके आजीविका चलाते हैं। इनके अलावा वे तबके जो सेवा क्षेत्र में काम करते हैं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, जनकल्याण आदि। सेवा क्षेत्र से सामाजिक उत्पादन संभव हो पाता है व समाज को बुलंदियों की ओर ले जाता है। नई तकनीक भी समाज के निरंतर व सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल होती है। जो भी प्रौद्योगिकी या तकनीक समाज विकसित करता है वह कष्टों को कम कर जीवन सुगम बनाने को करता है। विडंबना यह कि पूंजीवादी व्यवस्था में तकनीक के ऊपर पूंजीपति का नियंत्रण होने के कारण उसी तकनीक का प्रयोग न केवल श्रमिकों की संख्या घटाने और शोषण बढ़ाने में किया जाता है बल्कि श्रमिक को उत्पादन प्रक्रिया से हटाकर बेरोजगारी में धकेला जाता है। देश में सकल उत्पादन में जो शुद्ध मूल्य वर्धन अर्जित होता है उसमें मालिकों के मुनाफे का अंश लगातार बढ़ रहा है और श्रमिकों या कर्मचारियों के वेतन का अंश घट रहा है। मुनाफे का हिस्सा 2020 में 38.7 प्रतिशत से बढ़कर 2022 में 51.9 प्रतिशत हो गया जबकि इसी अवधि में वेतन का हिस्सा 18.9 प्रतिशत से घटकर 15.9 प्रतिशत रह गया। इससे भयंकर आर्थिक विषमताएं पैदा हो गई हैं और भारत दुनिया का सबसे गैर-बराबरी वाला देश है।

फिर भी श्रम कानूनों को तिलांजलि देकर कार्पोरेट परस्त चार लेबर कोड संसद में पास कर दिए गये। जो श्रमिकों यूनियनों के विरोध के कारण लागू नहीं हो सके। भयानक बेरोज़गारी और आमदनी के घटने से लोगों की खरीद शक्ति बहुत कम हो गई है। बाजारों में ठहराव है। अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी और कार्पोरेट सेक्टर अपने मुनाफे को उच्चतम स्तर पर रखने के लिए श्रमिकों के वेतन व अन्य सुविधाओं में कटौती करने पर आमादा रहता है।

बड़ी कीमत चुकानी होती है युद्ध की

क्षमा शर्मा

पहलगाम में जिस तरह से धर्म पूछ-पूछकर, एक समुदाय के आतंकवादियों ने दूसरे समुदाय के लोगों की हत्या की, वह बेहद निंदनीय है। वह स्त्री जिसकी एक महीने पहले शादी हुई, वह जिसकी एक हफ्ते पहले शादी हुई और जान गंवाने वाले बाकी के लोग, उन्होंने किसका क्या बिगाड़ा था। कश्मीर में अरसे से इस तरह के हत्याकांडों को अंजाम दिया जा रहा है। जब से यह हत्याकांड हुआ है, केंद्र की सरकार ने बहुत से कूटनीतिक कदम भी उठाए हैं, जिनमें सिंधु जल समझौते को रोकना, पाकिस्तानियों को देश से निकालना, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को इस बारे में आगाह करना आदि बातें शामिल हैं। हालांकि, बहुत से दल और लोग सरकार की देरी पर सवाल उठा रहे हैं, उकसा रहे हैं। सरकार अगर सोच-समझकर निर्णय लेना चाहती है तो इसमें गलत क्या है।

इस घटना के बाद सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में एक तरफ तो कहा जा रहा है कि अभी के अभी फौरन युद्ध चाहिए। दूसरी तरफ लोग हर बात के लिए सरकार को दोषी ठहरा रहे हैं। ये चाहते हैं कि सरकार इनकी मांग पर युद्ध शुरू कर दे। पाकिस्तान और भारत के बयानवीर तरह-तरह के बयान दे रहे हैं। इस कठिनाई के समय किसी के भी द्वारा राजनीति की रोटियां सेकना बंद किया जाना चाहिए। जब से इराक, अमेरिका युद्ध का लाइव प्रसारण शुरू हुआ, तब से मीडिया के लिए युद्ध बहुत आकर्षक हो चला है। आखिर जो देश युद्ध में फंसे होते हैं, उनके घरेलू मोर्चे पर क्या होता है। पहली बात तो महंगाई इतनी बढ़ जाती है कि उसकी कल्पना करना मुश्किल है। काले बाजारियों की बन आती है। जरूरी चीजें रातों-रात बाजार से गायब हो जाती हैं। उन्हें मनमाने दामों पर बेचा जाता है। दवाइयों की बहुत किल्लत हो जाती है। आवागमन पर इसका बहुत प्रभाव पड़ता है। उदाहरण के तौर पर जैसे ही पहलगाम में लोगों को मारा गया, एयरलाइंस ने अपने किराए छह गुने बढ़ा दिए। सरकार ने उनसे किराया कम करने को कहा भी लेकिन एयरलाइंस कम्पनियां नहीं मानीं। जबकि कश्मीर की घटना के बाद कोई युद्ध नहीं शुरू हो गया था।

ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि लोग इस डर से कि कहीं युद्ध हुआ अगर वक्त पर कोई सामान लड़ाई के कारण नहीं मिला तो भारी मात्रा में खरीददारी कर रहे हैं। लेकिन ऐसा वे ही कर सकते हैं, जिनकी जेब में अतिरिक्त पैसा है। जो रोजमर्रा की कमाई पर निर्भर हैं, वे क्या करेंगे। कोरोना के वक्त भी ऐसा ही हुआ था। महंगाई की मार हर वर्ग को झेलनी पड़ती है। उस मध्यवर्ग को तो ज्यादा ही जो इन दिनों फौरन युद्ध का समर्थन कर रहा है। आखिर युद्ध के वक्त सरकारों के पास पैसा कहां से आएगा, टैक्स के रूप में हमारी जेब से ही। सरकारों के पास अपनी आय तो होते नहीं। लोगों पर टैक्स लगाकर ही वह अपनी आय बढ़ाती है। जो देश भी युद्ध में फंसते हैं, उनकी आर्थिकी तबाह हो जाती है। तमाम दुनिया के देश और संस्थाएं सक्रिय हो जाती हैं। वे हर तरह से अपने लाभ-हानि का गणित बैठाते हैं। हथियारों के सौदागरों के लिए कोई भी लड़ाई, अपने मुनाफे का स्वर्णिम अवसर होता है।

पश्चिमी देशों का दोमुखी रवैया जगजाहिर है। पाकिस्तान के संदर्भ में अक्सर हमने यह होते देखा है, जहां पाकिस्तान को वे खुद आतंकवाद से पीड़ित बताते रहे हैं। अब वे अभी उकसा रहे हैं, बाद में गायब भी हो जाएंगे। आपकी आफत है, आप खुद निपटिए। विदेशों में शांति फैलाने वाली संस्थाओं के एक हाथ में शांति का फूल होता है तो दूसरे में हथियार। यकीन न हो तो नोबेल पीस प्राइज देने वालों को देख लीजिए। उनकी कम्पनियां दुनिया के मारक हथियार बनाती हैं। इतनी ही शांति की चिंता है तो हथियार बनाना बंद क्यों नहीं कर देते। वर्ष 1965, 1971, 1999 में हमने पकिस्तान से तीन युद्ध लड़े हैं। हर बार जीते हैं। बल्कि बांग्लादेश बनवाकर अक्सर हम अपनी पीठ थपथपाते रहे हैं कि पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए। लेकिन अब बांग्लादेश क्या कर रहा है, यह देखा जाना चाहिए। एक बार मशहूर लेखक सलमान रुश्दी ने कहा था कि आप चाहे पाकिस्तान के कितने भी टुकड़े कर दें लेकिन वे एक विशेष विचारधारा से संचालित होते हैं, इसलिए रहेंगे आपके शत्रु ही। इन तीनों युद्धों में विजय पाकर भी अखिर हमने क्या पाया। सिवाय इसके कि समझौते करने पड़े। करगिल युद्ध के दौरान एक बार बताया गया था कि इसे जीतने में बोफोर्स तोपों की बड़ी भूमिका थी। उसी में पढ़ा था कि तोप के एक गोले की कीमत सत्तर हजार रुपये थी। बताइए कि आज क्या होगी।

जिन मिसाइलों को हम हवा में उड़ते देखकर रोमांचित होते हैं, उनमें से एक-एक मिसाइल की कीमत कितनी होती है, जरा पता कर लीजिए। आज के दौर में किसी युद्ध को आसानी से जीता नहीं जा सकता, जीत भी लें तो अक्सर जीते हुए स्थान उस देश को वापस लौटाने पड़ते हैं, जैसे कि हमें 1965 में करना पड़ा था। तमाम देश भारी दबाव डालते हैं। आज के युग में कोई भी लड़ाई स्थानीय नहीं है। उसमें तमाम वैश्विक शक्तियों की भागीदारी होती है। यह भी सच है कि किसी को भी धरती के नक्शे से मिटाया नहीं जा सकता। अगर ऐसा होता तो रूस ने यूक्रेन को निगल लिया होता। हर बार लड़ाई में अपने-अपने हितों के आधार पर तमाम देश पक्ष-विपक्ष चुनते हैं। तुर्किए को ही देख लीजिए। जैसे ही भारत-पाकिस्तान युद्ध की बात चली, वहां के विमान युद्ध की सामग्री लेकर पाकिस्तान आ पहुंचे। ये पश्चिमी देश भी दो देशों को युद्ध में फंसाकर, अपने हित साधने के लिए आ जाएंगे। इसी आधार पर समर्थन और विरोध करेंगे। आज कोई दो ध्रुवीय दुनिया भी नहीं है।

रायता

गर्मियों में शरीर को रखेगा ठंडा

कुछ लोगों को गर्मी का मौसम बेहद पसंद होता है, तो वहीं कुछ लोगों को कम पसंद आता है। लेकिन गर्मियों में हर कोई लू और धूप से परेशान होता है। ऐसे में लोगों का मन मसालेदार खाने से हटकर कुछ ऐसा खाने पीने का करता है, जिससे उनका पेट ठंडा रहे और उन्हें अपच और गैस जैसी दिक्कतें भी न हो। बिरयानी और मसालेदार खाने के साथ रायता का कॉम्बिनेशन बहुत ही पुराना है। हालांकि, इसका ट्रेंड गर्मियों में काफी ज्यादा बढ़ भी जाता है। गर्मी के मौसम में ठंडा-ठंडा रायता खाने का मजा ही कुछ और होता है। न सिर्फ यह स्वाद में बेहतरीन होता है, बल्कि शरीर को ठंडक भी देता है और हाइड्रेटेड रखता है। रायता में मौजूद दही में प्रोबायोटिक्स डाइजेस्टिव सिस्टम को मजबूत बनाते हैं और पेट को हल्का रखते हैं। इससे आपकी सेहत को काफी फायदा होगा साथ ही आपका शरीर ठंडा महसूस करेगा। वैसे तो आप रायते को कभी भी पी सकते हैं। लेकिन भोजन से एक-दो घंटे पहले या 1 घंटे बाद इसे पीना काफी अच्छा होता है। इससे आपकी सेहत को काफी फायदा होगा साथ ही आपका शरीर ठंडा महसूस करेगा।

बूंदी रायता

बूंदी का रायता झटपट और काफी आसानी से बन जाता है। यह रायता खाने में हल्का और मसालों से भरपूर होता है। बूंदी का मिक्सचर इसे और स्वादिष्ट बना देता है। बूंदी के रायते के लिए आपको काफी सामग्री की जरूरत भी नहीं होती है। इसके लिए आपको 1 कप दही और आधा कप बूंदी की जरूरत होती है। इन दोनों को मिलाकर इसमें आधा छोटा चम्मच जीरा पाउडर मिक्स कर दीजिए और आधा चम्मच नमक, लाल मिर्च और आधा चम्मच काला नमक मिला दीजिए फिर इसे खान के साथ परोस लें। इससे हमारी पाचन क्रिया मजबूत रहती है और गैस, एसिडिटी जैसी समस्याएं दूर होती है। रायता खाने से आपको वजन कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, जो पेट को लंबे समय तक भरा रखता है। वहीं, इसमें कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है। जिससे वजन कंट्रोल में रहता है।

अनार रायता

गर्मियों में यह रायता भी काफी पसंद किया जाता है। अनार के जूसी दाने इस रायते को अलग ही लेवल पर ले जाते हैं। यह हेल्दी होने के साथ-साथ बेहद स्वादिष्ट भी होता है। इस रायता को बनाने के लिए आपको सबसे पहले अच्छे से दही को फेंट लेना है और अच्छे से स्मूद भी कर लेना है। फिर इसमें कुछ अनार के दाने मिला लें और कुछ मसाले भी मिला लें। इसे हल्के हाथों से मिक्स कर लें और ठंडा ही सर्व भी कर लें। यह हर किसी को बहुत पसंद आएगा। अनार में फाइबर, विटामिन के, सी, और बी, आयरन, पोटेशियम और जिंक जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। ऐसे में इसे दही के साथ मिक्स कर रायता बनाकर खाने से ये स्वादिष्ट होने के साथ सेहतमंद भी होता है।

खीरा रायता

खीरा और दही की जोड़ी गर्मी में शरीर को इंस्टेंट ठंडक पहुंचाती है। यह रायता हेल्दी और हाइड्रेटिंग होता है। इसके लिए आपको सबसे पहले अच्छे से दही फेंट लेनी है। फिर खीरे को अच्छे से कद्दूकस भी कर लेना है। दही में खीरा मिला दें और नमक सहित सारे मसाले भी डाल दें। फिर इसको गार्निश करने के लिए ऊपर से धनिया मिला दें और फिर फिज में ठंडा कर लें। इसे खाकर आपका दिन बन जाएगा। गर्मियों में अक्सर शरीर में पानी की कमी हो जाती है। खीरे में 96 प्रतिशत पानी होता है। ऐसे में रोज खीरे का रायता खाने से डिहाइड्रेशन की समस्या नहीं होती है। इसके सेवन से शरीर में मौजूद टॉक्सिंस को बाहर निकालने में भी मदद मिलती है। हाई बीपी के मरीजों के लिए खीरे का रायता बहुत फायदेमंद होता है। इसमें पोटैशियम और मैग्नीशियम प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करते हैं।

पुदीना रायता

आयुर्वेद में पुदीने का उपयोग कई रोगों से मुक्ति पाने के लिए किया जाता रहा है। यह जादुई हरे रंग की पत्तियां आपकी सेहत और खूबसूरती का ही नहीं बल्कि आपके स्वाद का भी ख्याल रखती हैं। गर्मी में पुदीना का ट्रेंड काफी रहता है। पुदीने का रायता हर कोई बहुत ही चाव से भी खाता है।

इसकी रेसिपी भी काफी आसान होती है। पुदीने का रायता बनाने के लिए सबसे पहले आप पुदीना की कुछ पत्तियां ले लीजिए फिर इसे पीस लीजिए। दही को अच्छी तरह से फेंट कर उसमें काला नमक और चीनी मिला लीजिए। इसमें सब कुछ अच्छे से मिलाकर इसे फ्रिज में रख दीजिए और फिर ठंडा-ठंडा परोस लीजिए। पुदीना की पत्तियों से बना रायता खाने से आपको गैस और एसिडिटी की समस्या से जल्द राहत मिल सकती है।

हंसना मना है

संता-डॉक्टर साहब दो साल पहले मुझे बुखार आया था । डॉक्टर-तो अब क्या?
संता-आपने नहाने को मना किया था आज इधर से गुजर रहा था तो सोचा कि पूछता चलूं .. अब नहा लूं क्या?

चिंटू-मुझे 100 रुपये दे। बदले में तुझे लाख रुपये की सलाह दूंगा। पिंटू-यह ले। अब क्या सलाह है? चिंटू-यही कि भाई! हर किसी को ऐसे पैसे मत बांटा कर।

संता ने अमरूद लिए तो उसमें से कीड़ा निकला। संता अमरुद वाले से: इसमें तो कीड़ा है! अमरुद वाला: ये किस्मत की बात है, क्या पता अगली बार मोटर साइकिल निकल जाए। संता : दो किलो और दे दो।

डॉक्टर मरीज से: अगर तुम मेरी दवा से ठीक हो गए तो मुझे क्या इनाम दोगे। मरीज: साहब मैं तो बहुत गरीब आदमी हूं, कब्र खोदता हूं आपकी फ्री में खोद दूंगा।

एक दस साल का बच्चा बहुत ध्यान से एक किताब पढ़ रहा था जिसका टाइटल था, 'बच्चों का पालन-पोषण कैसे करें? मां - तुम इस किताब को क्यों पढ़ रहे हो? बच्चा- मैं ये देखना चाहता हूं कि मेरा पालन-पोषण ठीक से हो रहा है या नहीं?

कहानी — खारा समुन्दर

एक बार की बात है एक गांव में दो सगे भाई रहते थे। जिनके बीच काफी ईर्ष्या थी। बड़े भाई के पास एक साधू द्वारा दिया गया एक बर्तन था। वह एक जादूई बर्तन था, यह जादूई बर्तन अपने मालिक की सारी इच्छाएं पूरी कर देता था। बड़ा भाई जो कुछ मांगता, बर्तन उसकी सारी जरुरतें पूरी कर देता था। यह सब देखकर छोटे भाई को बड़े भाई से जलन होने लगी और एक रात वह जादुई बर्तन को चुरा कर, एक नाव में सवार होकर समुद्र के रास्ते भाग निकला। उसने उस बर्तन से जो कुछ भी मांगा उस जादुई बर्तन ने उसे सबकुछ दिया। आखिर अब छोटे भाई उसे रास्ते में भूख लगी तो जादूई बर्तन ने लजीज व्यंजनों की थाली उसके सामने रख दी। जब उसने खाना शुरू किया तो भोजन में नमक कम था। उसने बर्तन से नमक की मांग की, बर्तन से नमक निकलना शुरू हुआ लेकिन नमक निकलता ही रहा, बंद करने का मंत्र उसे नहीं आता था। अब नाव में नमक इतना ज्यादा भर गया कि समुद्र में नाव डूब गयी। नाव के साथ वह जादूई बर्तन और छोटा भाई सभी समुद्र में समा गये। लेकिन कहते हैं आज भी उस बर्तन से नमक निकल रहा है इसलिए समुन्दर का पानी खारा होता है।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें लालच नहीं करना चाहिए। लालच बहुत बुरी बला है। और हमें अपनी मेहनत पर विश्वास करना चाहिए। क्योंकि मेहनत से मिली हुई चीज हमारे साथ जिंदगी भर रहती है। चोरी की हुई चीज हमारा बहुत दिन तक साथ नहीं देती है।

7 अंतर खोजें

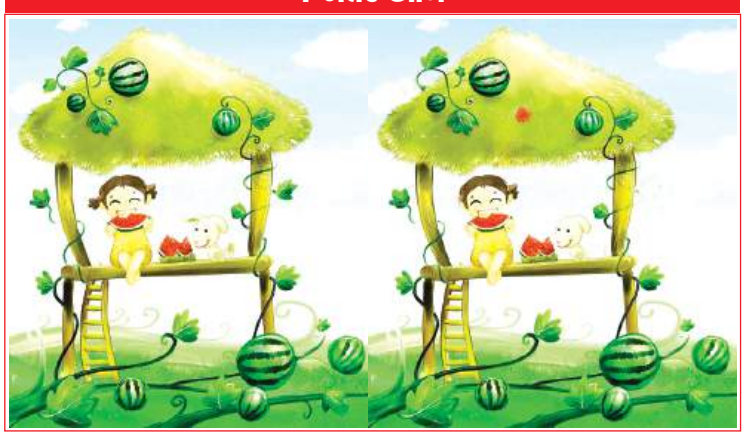

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

वृषभ — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें।

मिथुन — घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

कर्क — लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

सिंह — रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या — बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा।

तुला — सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा।

वृश्चिक — उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु — यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। आय बनी रहेगी।

मकर — अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग उभर सकता है। सेहत को प्राथमिकता दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुम्भ — मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

मीन — घर-परिवार के साथ आराम तथा मनोरंजन के साथ समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी। विरोध होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

वर्चुअल प्यार आपको आस-पास के प्यार के प्रति अंधा कर देगी : तापसी

तापसी पन्नू अक्सर समाज में घट रही घटनाओं पर भी प्रतिक्रिया देती हुई नजर आती हैं। अभिनेत्री ने कंटेंट क्रिएटर मीशा अग्रवाल की मौत पर प्रतिक्रिया दी है। मीशा के परिवार का दावा है कि इंस्टाग्राम फॉलोअर्स घटने के बाद अपने करियर के खत्म होने के डर से उन्होंने आत्महत्या कर ली। तापसी पन्नू ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट साझा किया। अभिनेत्री ने इस घटना को दिल दहला देने वाला बताया। तापसी ने वर्चुअल वैलिडेशन और सोशल मीडिया मेट्रिक्स के बढ़ते जुनून पर अपनी चिंता जताई। मीशा अग्रवाल की मौत पर तापसी पन्नू अपने विचार साझा किए, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया के प्रभाव पर बात की। उन्होंने लिखा, 'यह कुछ ऐसा है, जिसे देखकर मुझे बहुत डर लगता था कि बहुत से लोग इसके प्रति जुनूनी हैं। डर है कि एक दिन ऐसा आएगा जब सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या जीने की चाहत को दबा देंगी'। तापसी ने कहा, 'डर है कि वर्चुअल प्यार की सख्त जरूरत आपको अपने आस-पास के असली प्यार के प्रति अंधा कर देगी। लाइक और कमेंट से मिलने वाली तुरंत संतुष्टि और वैलिडेशन उन चीजों को पीछे छोड़ देगी जो आपको बहुत अधिक मूल्यवान बनाती हैं। यह देखना दिल दहला देने वाला है।' बुधवार को मीशा के परिवार ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए खुलासा किया कि मीशा ने अपने जीवन को प्लेटफॉर्म के इर्द-गिर्द रखा था। उसका एकमात्र लक्ष्य एक मिलियन फॉलोअर्स तक पहुंचना था। उसके फोन के स्क्रीन लॉक पर भी यह टारगेट सेट था। बयान में मीशा के परिवार ने लिखा, 'मेरी छोटी बहन ने इंस्टाग्राम और अपने फॉलोअर्स के इर्द-गिर्द अपनी दुनिया बनाई थी, जिसका एकमात्र लक्ष्य 1 मिलियन फॉलोअर्स तक पहुंचना था। जब उसके फॉलोअर्स कम होने लगे, तो वह परेशान हो गई और खुद को बेकार महसूस करने लगी। अप्रैल से वह बहुत उदास थी, अक्सर मुझे गले लगाकर रोती थी, कहती थी, जीजा, अगर मेरे फॉलोअर्स कम हो गए तो मैं क्या करूंगी? मेरा करियर खत्म हो जाएगा।'

बादशाह के नए गाने वेलवेट फ्लो पर मचा बवाल, एफआईआर दर्ज

रैपर बादशाह हमेशा किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में छाए रहते हैं। फिलहाल उनके खिलाफ पंजाब पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उनके लेटेस्ट गाने वेलवेट फ्लो में ईसाई धर्म के बारे में आपत्तिजनक बातें कही गई हैं। यह मामला पंजाब के गुरदासपुर जिले के बटाला शहर में दर्ज किया गया था और इस पर लोगों में आक्रोश फैल गया है, जिसमें विरोध प्रदर्शन भी शामिल है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ग्लोबल क्रिश्चियन एक्शन कमेटी के प्रतिनिधि इमानुअल मसीह की औपचारिक शिकायत के बाद मंगलवार (29 अप्रैल) को रैपर बादशाह के खिलाफ किला लाल सिंह पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। मसीह ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि बादशाह के गाने में चर्च और बाइबल शब्दों का इस्तेमाल ऐसे संदर्भ में किया गया है, जिससे ईसाई समुदाय की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है।

बॉलीवुड | मसाला

इस गाने को बादशाह ने गाया है और उन्होंने इसके बोल भी लिखे हैं। वेलवेट फ्लो का म्यूजिक हितेन ने तैयार किया है, गाने के वीडियो में बादशाह को यात्रा करते, एयरपोर्ट पर और जिम में कसरत करते हुए दिखाया गया है।

पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) गुरविंदर सिंह ने पुष्टि की कि मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया है, जो धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के मुद्दे से संबंधित है। बटाला में मंगलवार को एक विरोध प्रदर्शन भी किया गया, जहाँ ईसाई समुदाय के सदस्य कलाकार से जवाबदेही की मांग करने के लिए इकट्ठा हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने बादशाह पर कमर्शियल फायदे के लिए एक धर्म और उसके पवित्र प्रतीकों का अनादर करने का आरोप लगाया और उनके खिलाफ़ कार्रवाई की मांग की है। अभी तक, बादशाह ने आरोपों या एफआईआर दर्ज किए जाने पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है।

संजय लीला भंसाली ने शेयर कीं हीरामंडी की तस्वीरें, लिखा भावुक नोट

संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन हाउस ने कुछ ही देर पहले सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी पहली वेब सीरीज हीरामंडी की यादों का पिटारा खोला और कुछ बेहतरीन तस्वीरें शेयर कीं। इसके साथ ही उन्होंने इमोशनल नोट लिखकर साबित कर दिया कि उनके लिए यह वेब सीरीज कितनी मायने रखती है।

संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन हाउस भंसाली प्रोडक्शन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हीरामंडी द डायमंड बाजार के सेट की बीटीएस तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें सोनाक्षी सिन्हा से लेकर संजीदा शेख तक की अदाएं साफ नजर आ रही हैं। इस दिलचस्प पोस्ट पर फैंस की लगातार

प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कछ फैंस ने तो सीरीज की तारीफ की, तो एक फैन ने तो संजय से उनकी फिल्म में सलमान खान और ऐश्वर्या राय बच्चो को कास्ट करने की गुजारिश कर दी।

संजय की प्रोडक्शन कंपनी भंसाली प्रोडक्शंस के इंस्टाग्राम पर हीरामंडी की तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, हीरामंडी का जादू वर्षों की कड़ी मेहनत, जुनून और हर विवरण पर गहन ध्यान देने से जीवंत हुआ। संजय लीला भंसाली इन सबके केंद्र में खड़े हैं। पर्दे के पीछे के विशेष लुक के साथ 1YearOf।।eeramandi पर्दे के पीछे, बीटीएस, हीरामंडी का निर्माण।

प्रशंसकों ने भी इंस्टाग्राम की तस्वीरों पर जमकर कमेंट किया। एक फैन ने लिखा, कैमरे ने संजय सर के मूड को बखूबी कैद किया है। मुझे वे बहुत पसंद आए। शेयर करने के लिए शुक्रिया, एक और फैन ने लिखा, संजय सर आप एक मास्टरपीस हैं, कृपया अपनी फिल्म में सलमान खान और ऐश्वर्या राय को कास्ट करें, एक और फैन ने लिखा, सुपरहिट वेब सीरीज, एक और फैन ने लिखा, आप जादूगर हैं संजय सर। वहीं कई फैंन ने कमेंट बॉक्स में लाल दिल वाले इमोजी और फायर इमोजी की बारिश की।

अजब-गजब | इस देश में मनाई जाती है अनोखी परंपरा

बच्चाबाजी की परंपरा के नाम पर इस देश में बेचे जाते हैं लड़के, खरीदते हैं अमीरजादे

अफगानिस्तान में तालिबान का राज है। उनके बनाए नियमों को ना मानना यानी मौत को न्योता देना। अभी तक दुनिया को सिर्फ इन तालिबानियों का महिलाओं के ऊपर किया जाने वाला जुल्म पता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इस देश में मर्दों की क्या हालत होती है? क्या मर्द यहां खुश हैं? सोशल मीडिया पर अफगानिस्तान के मर्दों की जिंदगी की असलियत दिखाई गई। इसे देखने के बाद आपको समझ आएगा कि जिस देश में महिलाओं के ऊपर इतने जुल्म किये जाते हैं, वहां मर्दों को भी बक्शा नहीं जाता।

अफगानिस्तान में एक बहुत पुरानी परंपरा है। इसे बच्चाबाजी कहा जाता है। इस परंपरा के तहत मां-बाप कच्ची उम्र में अपने बच्चों को बेच देते हैं। इसके बाद इन बच्चों को लड़कियों की तरह तैयार किया जाता है। बड़े लोगों की महफिलों में ये बच्चे नाचने जाते हैं। उस पार्टी के बाद इन बच्चों को जो टॉर्चर झेलना पड़ता है, उसके बाद शायद ही कोई बच्चा लड़के के रूप में पैदा होना चाहेगा। एक के बाद इन मासूम लड़कों के ऊपर इतने जुल्म किये जाते हैं कि

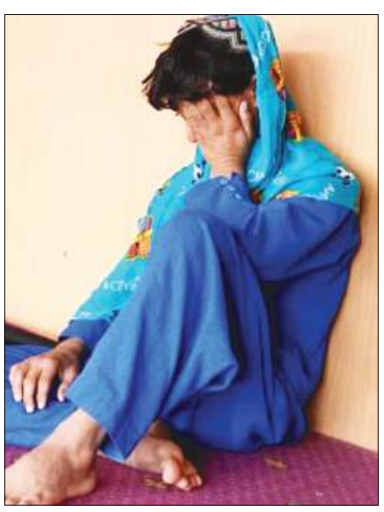

ये अपनी मौत का इंतजार करने लगते हैं।

दरअसल, अफगानिस्तान में महिलाओं के ऊपर काफी पाबंदियां हैं। ऐसे में यहां पार्टियों में लड़कियां नाच दिखाने नहीं आती। ऐसे में बच्चों को ही लड़की की तरह तैयार कर पार्टियों में भेजा जाता है। इन पार्टियों में लड़कों की कीमत लगाई जाती है। जो सबसे ज्यादा पैसे देता है, वो अपने साथ बच्चे को ले जाता है। इसके बाद उसका जैसा मन होता है, बच्चे को टॉर्चर करता है। चाहे बच्चे के साथ रेप करना हो, उसे दूसरे मर्दों को बेचना हो आदि। कह सकते हैं कि बच्चाबाजी वो परंपरा है, जिसकी आड़ में मर्द इन मासूम बच्चों को बुरी तरह टॉर्चर करते हैं। आपको इस देश में मर्दों के हालात जान हैरानी होगी लेकिन आपको बता दें कि यहां ये बहुत आम बात है। गरीब मां-बाप अपने लड़कों को पैसे के लिए बेच देते हैं। इसे रोकने के लिए कई एनजीओ सामने आए लेकिन सब कुछ बेकार। कुछ बच्चे तो समझ भी नहीं पाते की उनके साथ हो क्या रहा है। वहीं लड़कियों की हालत भी कुछ ऐसी ही है। उन्हें पढ़ाया नहीं जाता। कम उम्र में उनका निकाह कर दिया जाता है। उसके बाद कम उम्र में गर्भवती होने की वजह से कई लड़कियां तो बीस से पच्चीस साल के अंदर ही मौत के मुंह में समा जाती हैं। कह सकते हैं कि अफगानिस्तान में चाहे लड़का हो या लड़की, सभी की जिंदगी काफी मुश्किल है।

यूपी के इस जिले में है एक ऐसा नाला, जो छह महीना उल्टा और छह महीना सीधा बहता है

बलिया। आज हम आपको एक ऐसे नाले के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी खासियत जान हर कोई हैरान हो जाता है। बताया जाता है कि इससे जुड़े सवाल यूपीएससी में भी पूछे जाते हैं। यह एक बड़ा अजूबा नाला है, जो अपने जनपद के न केवल कष्ट को दूर करता है, बल्कि किसानों के लिए एक वरदान भी है। इसे वर्तमान में कटहल नाला कहा जा रहा है, लेकिन जिले के कष्ट को दूर करने के नाते इसे कष्टहर नाला कहा जाता था और यह सुरहा ताल से जुड़ता है। जहां राजा सूरत ने अपने जीवन के अधिक समय बिताए थे। इसी नाले के पानी में नहाने से उनका कुष्ठ रोग दूर हुआ था, जिसके नाते इसे कुष्ठहर नाला भी कहा जाता है। चूंकि अब इसका अस्तित्व अब खतरे में जा रहा है और इसका पानी बिल्कुल गंदा हो चुका है। लेकिन इसके बावजूद इस नाले पर सरकार की नजरे इनायत हुई है। वरिष्ठ नागरिक नरेंद्र मिश्रा ने कहा कि एशिया का सबसे बड़ा ताल बलिया का सुरहा ताल कहा जाता है। इसी ताल से कटहल नाला निकलता है, जिसको कष्टहर नाला भी कहा जाता है यानी कष्टहर का मतलब जनपद के कष्ट को दूर करना है। पूरे जिले का कचरा इसके द्वारा निकल जाता है। गंगा नदी शहर के दक्षिणी छोर से और उधर उत्तर छोर से सरजू नदी हैं। यह नाला 6 महीना उल्टा और 6 महीना सीधा बहता है। इस नाले का जनरल नॉलेज में भी जिक्र किया जाता है। बलिया के रहने वाले वरिष्ठ नागरिक मधुसूदन सिंह ने कहा कि कटहल लाल बलिया का एक ऐतिहासिक नाला है। जब गंगा में बाढ़ आती है तो इसका पानी सुरहा ताल की तरफ और जब सुरहा ताल में बाढ़ आता है तो इसका पानी गंगा की तरफ बहने लगता है यानी 6 महीना उत्तर और 6 महीना दक्षिण की दिशा में बहता है। इस कटहल नाले से जुड़े किसान इसके पानी का इस्तेमाल कर मुनाफा कमाते हैं। खेती में इसके पानी का उपयोग करने से किसी खाद की आवश्यकता नहीं पड़ती है। कटहल नाला किसानों के लिए भी एक वरदान है। यूपीएससी में भी कटहल नाले के संबंध में कई बार सवाल पूछे गए हैं कि आखिर हिंदुस्तान में ऐसा कौन-सा नाला है, जो 6 महीना उत्तर और 6 महीना दक्षिण दिशा में बहता है?। जो बाहर के लोग होते हैं वह तो परेशान हो जाते हैं, लेकिन पूर्वांचल या बलिया के लोगों को इस बात की जानकारी है।

शिवराज सबसे झूठे कृषि मंत्री : पटवारी

पीसीसी अध्यक्ष बोले- देश में घट गया उत्पादन

» बोले- जातिगत जनगणना को लेकर मप्र कांग्रेस चलाएगी अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि देश का उत्पादन कम हुआ है, 12 से 10 प्रतिशत पर आया है। उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह को सबसे ज्यादा झूठा बताया है। पटवारी ने कहा कि शिवराज सबसे अधिक झूठ बोलने वाले नेता है। गूगल मे सर्च करो तो पांच लोगों मे उनका नाम आता है। 2011 में यूपीए सरकार ने जनगणना करने की बात की। राहुल गांधी हमेशा देशहित में काम करते है। धान के समर्थन मूल्य गैस सिलेंडर के मूल्य का क्या हुआ। आज सभी किसान परेशान हो रहे है।

केंद्र सरकार द्वारा एक दिन पहले देश भर में जातिगत जनगणना को लेकर घोषणा के बाद कांग्रेस इसे अपनी जीत बता रही है। इसे लेकर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश कांग्रेस जातिगत जनगणना को लेकर अभियान चलाएगी। 3 से 10 मई तक जिलों में रैलियां करेंगे। 10 से 20 मई तक विधानसभा में जातिगत जनगणना की रैलियां निकाली जाएगी। इसके बाद डोर टू डोर संपर्क करेंगे। इन कार्यक्रमों में कांग्रेस के बड़े नेता शामिल होंगे। पटवारी ने बताया कि जून में राजधानी भोपाल में बड़ी रैली की जाएगी। जिसमें राहुल गांधी को आमंत्रित किया जाएगा।

पटवारी ने गिनाए बीजेपी नेताओं के बयान

पीसीसी चीफ ने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने जातिगत जनगणना को लेकर कहा था कि जातियों की बात करना पाप है। जो जातियों की बात करता है, वह पापी आदमी है। योगी आदित्यनाथ ने कहा था बटोगे तो कटोगे। यह बयान भी जातिगत जनगणना के खिलाफ ही दिया था। केन्द्र सरकार के बहुत समझदार मंत्री नितिन गडकरी हैं, उन्होंने कहा था जो करेगा जात-पात की बात, उसको मैं मारूंगा लात। हमारे शिवराज सिंह चौहान और मोहन यादव ने भी ऐसी बातें कहीं हैं। मोहन यादव ने तो चार जातियां बताई थीं। उन्होंने कहा था देश में चार जातियां हैं, किसान, युवा, गरीब और महिला। ये भी उन्होंने जातिगत जनगणना को लेकर क्रिटिसिज्म ही किया था।

भोपाल के सांसद को बताया सर्कस में काम करने वाला

पटवारी ने भोपाल से सांसद आलोक शर्मा के नसबंदी वाले बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि आलोक शर्मा आप सांसद हो या सर्कस में काम करने वाले हो। जिस रेस्टोरेंट में काम हो रहा था उसपर बुलडोजर क्यों नहीं चला, जांच हो जाएगी तो भाजपा नेता निकलेंगे। वहीं पीसीसी चीफ ने आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

राहुल गांधी के दबाव में आई सरकार : पायलट

» कांग्रेस नेता बोले- राहुल कुछ ठान लें तो सरकार को झुकना पड़ता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने दावा किया कि जातिगत गणना को लेकर सरकार का निर्णय राहुल गांधी के दबाव का नतीजा है। उन्होंने यह भी कहा कि देश ने देख लिया है कि जब कांग्रेस और नेता प्रतिपक्ष कोई फैसला ठान लेते हैं तो केंद्र सरकार को झुकना पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि जातिगत गणना वैज्ञानिक, विस्तृत और पारदर्शी तरीके से की जानी चाहिए, जैसा कि तेलंगाना में किया गया। पायलट ने बातचीत में कहा, जातिगत गणना को सतही ढंग से नहीं किया जाना चाहिए। कांग्रेस महासचिव ने कहा, राहुल गांधी लंबे समय से इस (जातिगत गणना) मुद्दे को उठाते रहे हैं, लेकिन भाजपा और सरकार इसका विरोध यह कहते हुए करती रही कि यह देश के हित में नहीं है और इससे देश का बंटवारा होगा।

राहुल गांधी और कांग्रेस के दबाव के कारण अचानक सरकार ने यह फैसला ले लिया। उन्होंने कहा कि पूरा देश गवाह है कि जब कांग्रेस और राहुल गांधी कुछ ठान लेते हैं, तो सरकार को वह करना ही पड़ता है। उन्होंने कहा,जो लोग पहले राहुल जी का विरोध कर रहे थे, अब उन्हें भी समझ में आ गया है कि लोकतंत्र की ताकत सर्वोपरि होती है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हेडलाइन देने के मास्टर हैं, लेकिन डेडलाइन नहीं देते और उन्होंने सरकार के जातिगत गणना के फैसले को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान पर सख्त कार्रवाई की मांगों से ध्यान भटकाने की रणनीति करार दिया। केंद्र सरकार ने बुधवार को घोषणा की कि आगामी जनगणना में जाति संबंधी आंकड़े भी एकत्र किए जाएंगे। यह आज़ादी के बाद पहली बार होगा जब जनगणना में जाति का विवरण शामिल किया जाएगा।

हैदराबाद का गुजरात से करो या मरो मुकाबला आज

» प्लेआफ में बने रहने के लिए हैदराबाद के लिए जीत जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 51वें मुकाबले में शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस के सामने पैट कमिंस की कप्तानी वाली सनराइजर्स हैदराबाद का चुनौती होगी। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। इस सीजन में दोनों टीमों के प्रदर्शन की बात की जाए तो हैदराबाद एक मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप की मौजूदगी साथ ही कमिंस और शमी जैसे गेंदबाज के टीम में होने के बाद भी प्लेऑफ में पहुंचने के लिए संघर्ष करती नजर आ रही है। इसलिए उसके लिए यह मुकाबला करो या मरो की तरह है क्योंकि एक मैच में हार उसे प्लेआफ से बाहर हो सकता है। वहीं शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात लय में है और वो प्लेऑफ में पहुंचने की शीर्ष दावेदारों में से एक है। गुजरात के खिलाड़ियों का एक यूनिट के तौर पर अच्छा प्रदर्शन रहा है जबकि हैदराबाद एक टीम के रूप में परफॉर्म करने में फेल रही है। इशान किशन ने आईपीएल 2025 में अपनी शुरुआत शतक के साथ की, लेकिन उसके बाद से उनका बल्ला नहीं चल रहा है। यही नहीं हैदराबाद के अन्य बल्लेबाजों जैसे ही हेड, अभिषेक शर्मा का भी यही हाल है जो टुकड़ों में प्रदर्शन कर रहे हैं। इशान को गुजरात के दो स्पिनर सुंदर और राशिद खान के खिलाफ संघर्ष करना पड़ रहा है। गुजरात अपने स्टार बॉलर कगिसो रबाडा की वापसी का इंतजार कर रहा है। अंकतालिका में हैदराबाद के मुकाबले गुजरात काफी मजबूत स्थिति में है। गिल की टीम ने अब तक खेले 9 मैचों में 6 जीत दर्ज की है और 12 अंक के साथ चौथे स्थान पर है जबकि हैदराबाद की टीम ने 9 में से 3 मैच जीते हैं और इस टीम के 6 अंक हैं। अंकतालिका में ये टीम अभी 6 अंक के साथ 9वें नंबर पर है।

प्लेऑफ की दौड़ से राजस्थान बाहर

जयपुर। कर्ण शर्मा और ट्रेंट बोल्ट की घातक गेंदबाजी के दम पर मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स को 117 रन पर समेट दिया। इसी के साथ रियान पराग की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गई। उनसे पहले चेन्नई सुपर किंग्स प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हुई थी। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने 20 ओवर में दो विकेट खोकर 217 रन बनाए थे। जवाब में राजस्थान 16.1 ओवर में 10 विकेट गंवाकर सिर्फ 117 रन ही बना सकी और यह मुकाबला 100 रन से हार गई, जो उनकी दूसरी सबसे बड़ी हार है। इससे पहले आरसीबी ने 2023 में राजस्थान को 112 रन से हराया था। वहीं, मुंबई की किसी भी टीम के खिलाफ यह तीसरी बड़ी जीत है। लगातार छठी जीत के साथ मुंबई अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है।

जनता की शिकायतों का मौके पर ही समाधान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा आज त्रिलोकनाथ सभागार, लालबाग स्थित मुख्यालय में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर आयुक्त गौरव कुमार ने की, जबकि अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, पंकज कुमार, डॉ. अरविंद राव, जीएम जलकल कुलदीप सिंह, समस्त जोनल ऑफिसर, इंजीनियरिंग ब्रांच के अधिकारी और जोनल सेनेटरी ऑफिसर मौके पर मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य था।

शहरवासियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना और उन्हें एक ही स्थान पर सभी विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराना। समाधान दिवस के दौरान बड़ी संख्या में नागरिक अपनी शिकायतों को लेकर पहुंचे। टैक्स विभाग से संबंधित शिकायतों में जोन 1 से 10, जोन 2 से 2, जोन 3 से 8, जोन 4 से 5, जोन 5 से 1, जोन 6 से 15, जोन 7 से 16 और जोन 8 से 7 शिकायतें प्राप्त हुईं। सभी 64 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। इसके अलावा जलकल विभाग से संबंधित 4 शिकायतें भी टैक्स से जुड़ी थीं, जिन्हें भी वहीं तत्काल निपटाया गया।

नगर निगम में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

जनता-प्रशासन के बीच विश्वास का पुल है ये दिवसः गौरव

नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस न केवल नागरिकों की शिकायतों को हल करने का मंच है, बल्कि यह जनता और प्रशासन के बीच विश्वास का पुल भी है। उन्होंने बताया कि हर महीने के पहले शुक्रवार को यह कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा ताकि शहरवासी अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकें। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की कि वे भविष्य में होने वाले समाधान दिवसों में भी समय से पहुंचे और अपने सभी दस्तावेज साथ लाएं ताकि उनकी शिकायतों का त्वरित और सटीक निस्तारण किया जा सके।

ऐशबाग जल संयंत्र में चला सफाई और सुधार का विशेष अभियान

» अब 71 हाईटेक कैमरों से हो रही निगरानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के करीब 12 लाख लोगों को रोज पानी देने वाले ऐशबाग जल संयंत्र में जलकल विभाग ने एक विशेष सफाई और निरीक्षण अभियान चलाया। इसका मकसद था लोगों को और शुद्ध और सुरक्षित पानी उपलब्ध कराना। इस पूरे अभियान की निगरानी खुद जलकल विभाग के जीएम कुलदीप सिंह ने की। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से संयंत्र की कार्यप्रणाली को सुधारने और हर तकनीकी कमी को दूर करने के लिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

जल संयंत्र में अब 71 हाईटेक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनके जरिए हर गतिविधि पर 24×7 नजर रखी जा रही है। इससे संयंत्र में पारदर्शिता बढ़ेगी और किसी भी गड़बड़ी को तुरंत ठीक किया जा सकेगा।

दिल्ली में भारी बारिश, खुली भाजपा सरकार की पोल

» आप ने रेखा सरकार पर उठाए सवाल

» सीएम ने कहा - पुरानी सरकारों की देन है जलभराव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार (दो मई) की सुबह से ही मौसम काफी खराब हो गया। पहले तेज हवाएं और आंधी चलीं और फिर काफी देर तक मूसलाधार बारिश ने सड़कों का हाल खराब कर दिया। जगह-जगह पेड़ गिर गए। राजधानी की हालत इतनी खराब हो गई है भाजपा की रेखा सरकार की पोल खुल गइ है।

उधर इस पर दिल्ली की सियासत भी गरमा गई है। आप ने भाजपा को घेर लिया है। तो सीएम रेखा ने पुरानी सरकार को जिम्मेदार बताया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने द्वारका में हुई चार लोगों की मौत पर शोक जताया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, खरखड़ी नाहर गांव, नजफगढ़ में तेज आंधी और बारिश के दौरान पेड़ गिरने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की दुखद मृत्यु और एक व्यक्ति के घायल होने का समाचार अत्यंत व्यथित करने वाला है। मैं दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं और शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहन संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। सीएम ने जिला प्रशासन को हर आवश्यक सहायता तुरंत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

बारिश सिस्टम के लिए अलार्म है : रेखा गुप्ता

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा,ये बारिश सिस्टम के लिए अलार्म है। ये 10-15 साल से दिल्ली का प्रशासन सोया रहता था। अरविंद केजरीवाल शीशमहल में साउंडप्रूफ घर में सो रहे होंगे उन्हें नहीं पता होगा कि कहां पेड़ गिरा है। मुझे याद नहीं आता कि इससे पहले दिल्ली का कोई भी विधायक या मुख्यमंत्री सड़कों पर उतरा था। आज की सरकार जनता की सरकार है, एक मिनट भी खाली बैठने वाली नहीं है। अगर जनता को कोई दिक्कत होगी, तो हमारा पूरा प्रशासन दिल्ली की जनता की परेशानी दूर करेगा।

बारिश दर्शा रही सरकार की लाचारी : गोपाल

आप नेता गोपाल राय ने एक्स पर लिखा, अब तो ये जग जाहिर है दिल्ली सरकार को भाजपा के चार इंजन खींच रहे हैं। बावजूद दिल्ली में हुई जरा देर की बारिश से सभी सड़कें लबालब भर गईं। दिल्ली में जगह-जगह से आ रही जल भराव की तस्वीरें चारों इंजन पर रेंग रही बीजेपी दिल्ली सरकार की लाचारी को दर्शा रही है।

आज भी यूपी में बज्रपात की चेतावनी

» ओले और बिजली गिरने से चार से अधिक मौतें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में बदले मौसम के बीच बृहस्पतिवार को गोरखपुर, महराजगंज, संतकबीरनगर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती में गरज चमक के साथ बौछारें पड़ीं। गोरखपुर में बारिश और तेज रफ्तार हवा के साथ ओले भी गिरे। बारिश के बीच गिरी बिजली की चपेट में आने से गोरखपुर-बस्ती मंडल में चार लोगों की मौत हो गई।

सात अन्य झुलस गए। वहीं, मौसम विभाग ने शुक्रवार को तराई और दिल्ली से सटे 16 जिलों में गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी और वज्रपात की चेतावनी जारी की है। बृहस्पतिवार को प्रदेश के कई जिलों में बादल छाने से पारे में गिरावट दर्ज की गई। मथुरा, लखनऊ में भी सूरज के तेवर नरम रहने से गर्मी से राहत रही। प्रदेश में बारिश, आंधी और ओले गिरने से तमाम इलाकों में फसलों को नुकसान हुआ है।

बिजली गिरने से चार लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही सीएम ने प्रभावित जिलों के डीएम को मौके पर जाकर क्षतिग्रस्त फसलों का सर्वेक्षण कराने और 24 घंटे के भीतर मुआवजा देने का भी निर्देश दिया है।

हरियाणा, राजस्थान समेत कई राज्यों में भी बारिश के आसार

देश के कई राज्यों में पिछले कुछ दिनों से जारी भीषण गर्मी के बाद अब मानसून पूर्व गतिविधियां शुरू हो गई हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, पंजाब, झारखंड, राजस्थान, बिहार समेत कुछ अन्य राज्यों में अगले कुछ दिनों तक आंधी चलने और बारिश होने के आसार हैं। वहीं हिमाचल में बृहस्पतिवार को ओलावृष्टि हुई।

तेजस्वी को ज्ञान और ट्यूशन लेने की जरूरत : प्रशांत किशोर

» कहा- लालू युग समाप्त सीएम भी हैं बीमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भागलपुर। जाति जनगणना की केंद्र के द्वारा घोषणा किये जाने के बाद अब जाति जनगणना पर ही राजनीति होने लगी। नेता प्रतिपक्ष ने इसे अपनी जीत बताई थी वहीं आज गुरूवार को जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने महागठबंधन के द्वारा कराए गये जाति जनगणना पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी कहा था कि जातीय जनगणना जरूरी है, इससे समाज को नुकसान नहीं, बल्कि फायदा होगा। लेकिन सरकार ने जिस तरीके से जाति गणना करायी है, वह बिल्कुल सही नहीं है।

जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव पर भी खूब बोले। उन्होंने कहा कि बिहार में लालू यादव का राजनीतिक युग समाप्त हो चुंका है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर भी तंज कसा। इस दौरान प्रशांत किशोर ने कहा कि उनको समाजवाद की असली समझ नहीं है। उनको अच्छे ज्ञान व पढ़ाई के लिए ट्यूशन लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास के लिए शिक्षा और ईमानदार व पारदर्शी सरकार की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का विस्तार एवं भ्रष्टाचार पर अंकुश लगने के बाद ही बिहार विकास के पथ पर अग्रसर हो पाएगा। आज भ्रष्टाचार पूरे राज्य में फैला हुआ है। इससे भागलपुर भी अछूता नहीं है।

जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर जन संवाद यात्रा के दौरान भागलपुर पहुंचे, जहां उन्होंने राज्य सरकार के जातीय जनगणना प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जनसुराज पार्टी भी जातिगत जनगणना का समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि वह पहले भी कई बार इसकी आवश्यकता पर जोर दे चुके हैं। हालांकि, उन्होंने बिहार सरकार पर आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि यह जनगणना अधूरी, अपारदर्शी तरीके से की गई है। इस प्रक्रिया से समाज की असली तस्वीर सामने नहीं आ पाएगी। मैंने पहले भी कहा था कि जातीय जनगणना जरूरी है, इससे समाज को नुकसान नहीं, बल्कि फायदा होगा। लेकिन सरकार ने जिस तरीके से यह गणना करायी है, वह बिल्कुल सही नहीं है।

जातीय जनगणना का समय उपयुक्त : मांझी

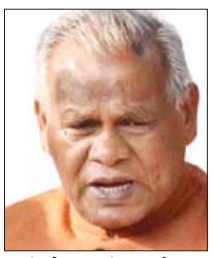

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की विपक्षी पार्टियां केवल चिल्लाने का काम करती हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काम करके दिखाते हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जातीय जनगणना आने के सवाल पर मांझी ने कहा कि यह एक अच्छी और जरूरी पहल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इसे किसी चुनावी लाभ के नजरिए से नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की दृष्टि से उठाया है। जातीय जनगणना के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि देश के कई राजनीतिक दलों की लंबे समय से यह मांग रही है। एक वर्ष पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सर्वदलीय बैठक कर प्रधानमंत्री से मुलाकात की गई थी। उस समय प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया था कि यदि राज्य चाहे तो अपने स्तर पर जातीय जनगणना करा सकता है। इसके बाद बिहार सरकार ने जनगणना करवाई और अन्य राज्यों ने भी इस दिशा में कदम उठाया।

प्रशांत किशोर मैनेजमेंट और प्रचार तक ही सीमित रहें

प्रशांत किशोर पर टिप्पणी करते हुए मांझी ने कहा कि क्या वो कोई राजनीतिक नेता हैं? वह सिर्फ एक चुनावी रणनीतिकार हैं, जो पैसे लेकर चुनाव प्रचार और प्रबंधन करते हैं। बिहार उपचुनाव में उनका चेहरा साफ हो गया। गांधी मैदान में उन्होंने पूरी ताकत झोंक दी, फिर भी पूरी तरह फ्लॉप रहे। मांझी ने सलाह दी कि प्रशांत किशोर को मैनेजमेंट और प्रचार तक ही सीमित रहना चाहिए, राजनीति में नहीं आना चाहिए।

नेहा सिंह राठौर पर छह मई को आएगा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। एसीजेएम एकता सिंह की अदालत में पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले पर लोक गायिका नेहा सिंह राठौर की ओर से दिए गए बयान को लेकर दाखिल परिवाद में सुनवाई हुई। जज ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत छह मई को नेहा सिंह राठौर मामले पर फैसला देगी।

परिवाद दाखिल करने वाले ब्लॉक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह व नेहा सिंह राठौर के अधिवक्ताओं ने दायर परिवाद पर तर्क पेश किए। वादी के अधिवक्ता ने नेहा सिंह राठौर के आतंकी हमले पर दिए गए बयान को देशद्रोह बताया और देश विरोधी बयान देने का आदतन अभ्यस्त बताया। वहीं, नेहा सिंह राठौर की ओर से पेश हुए अधिवक्ता ने देशद्रोह कानून को सर्वोच्च न्यायालय की ओर से स्थगित किए जाने से परिवाद को दूषित बताया।

न्यायालय ने दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद पत्रावली में आदेश पारित करने के लिए छह मई की तारीख नियत कर दी है। अंबेडकरनगर के महरुआ क्षेत्र के पकड़िया गांव निवासी लोक गायिका नेहा सिंह राठौर के खिलाफ देश विरोधी बयान सोशल मीडिया पर फैलाने का आरोप लगाते हुए परिवाद दायर किया गया है।

पाकिस्तान का कूटनीतिक प्लान पंजाब बन जाएगा खालिस्तान..!

» भारत-पाक युद्ध की आहट के बीच आतंकवादी पन्नू ने जारी किया एलर्ट मैसेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पहलगाम हमले के जवाब में भारत की जवाबी कार्रवाई से डरे पाकिस्तान ने कूटनीतिक चाल चली है। सरहद के पार से मोस्टवांटेड पन्नू ने वीडियो बाइट जारी करते हुए कहा है कि भारत पाकिस्तान पर हमला करता है तो पंजाब खालिस्तान बन जाएगा। उसने सिक्ख सैनिकों को भारत-पाक युद्ध से दूर रहने की सलाह दी है।

खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पाकिस्तान के समर्थन का ऐलान किया है। उसने कहा है कि अगर भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया तो यह नरेंद्र मोदी और नई दिल्ली के लिए आखिरी युद्ध होगा। पन्नू ने भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी युद्ध को पंजाब के लिए भारत से अलग होने का एक मौका कहा है।

पाकिस्तानी सेना के लिए लंगर लगाएगा पंजाब

पन्नू ने एक वीडियो में दावा किया अगर भारत की ओर से पाकिस्तान पर हमला करता है तो पंजाब को भारत से अलग करते हुए खालिस्तान बना लिया जाएगा। पंजाब पर भारत ने कब्जा कर रखा है। ऐसे में पंजाब के लोग भारत की सेना के खिलाफ खड़े होंगे। पूरा सिख समुदाय पाकिस्तान की सेना का समर्थन करेगा और उनके लिए लंगर लगाएगा। पन्नू ने पाकिस्तान सरकार ये अपील की है कि वह खालिस्तान के मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में उठाए और पंजाब में जनमत संग्रह किया जाए। उसने दावा किया कि पंजाब में भारत की सेना के खिलाफ और खालिस्तान के समर्थन में नारे लिखे जा रहे हैं। लोग सिख सैनिकों को पाकिस्तान के खिलाफ लड़ने से मना कर रहे हैं। पन्नू ने कहा कि भारत को ये युद्ध बहुत महंगा पड़ेगा। भारत युद्ध में गया तो टूट जाएगा। पन्नू सिख फार जस्टिस नाम से एक संगठन चलाता है।

सरकार की खुली छूट नीति

पीएम मोदी ने पुलवामा हमले के फौरन बाद सेना को खुली छूट दी। पुलगामा हमले के बाद भी पीएम मोदी ने सेना को खुली छूट दे रही है। यह वही नीति है जो उरी और पुलवामा के बाद देखी गई थी और उसके जवाब में सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक जैसे कदम उठाए गए थे। खुल छूट के बाद पाकिस्तान में डर का माहौल व्याप्त हो गया। सैनिकों की छुट्टिया कैंसिल हो गयी और एयरलाइंस की आवाजाही तक पर रोक लग गयी। खुद पाकिस्तानी मंत्रियों ने भारत के हमले होने की आंशका के वीडियो डाले।

रियल्टी शो की वायरल क्लिप पर बवाल

» यूबीटी शिवसेना व भाजपा ने की बैन की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफार्म पर पूर्व बिग बॉस प्रतिभागी एजाज खान द्वारा होस्ट किए गए रियल्टी शो की वायरल क्लिप पर बवाल मच गया है। इसे लेकर शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने स्ट्रीमिंग एप पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने सवाल उठाया कि एप को अब तक प्रतिबंधित क्यों नहीं किया गया?

इस पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने जवाब दिया है कि शो के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उल्लू प्लेटफार्म पर एक वेब सीरिज हाउस अरेस्ट को पूर्व बिग बॉस प्रतिभागी एजाज खान होस्ट कर रहे हैं। इस रियल्टी शो की एक दो मिनट की क्लिप के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बवाल मच गया।

यह नहीं चलेगा : दुबे

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने क्लिप का संज्ञान लिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि ऐसी सामग्री को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने लिखा कि यह काम नहीं करेगा। हमारी समिति इस पर कार्रवाई करेगी। भाजपा युवा मोर्चा बिहार के प्रमुख बरुन राज सिंह ने कहा कि ऐसे शो को बंद कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने एक्स पर लिखा कि वे कैमरे पर ऐसी बात करते हैं।

हमारी नहीं सुन रही सरकार : प्रियंका

राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने वायरल क्लिप को साझा करते हुए एक्स पर लिखा कि उन्होंने बार-बार सरकार को ऐसे एप्स पर अश्लील सामग्री के बारे में बताया है, लेकिन अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। मैंने स्थायी समिति में यह मुद्दा उठाया है कि उल्लू एप और एएलटी बालाजी जैसे एप अश्लील सामग्री के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा लगाए गए प्रतिबंध से बचने में कामयाब रहे हैं। मैं अभी भी उनके जवाब का इंतजार कर रही हूं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।